BIJENDRA PUBLIC SCHOOL

Class - 8

Subject : HINDI COURSE BOOK

पाठ – 11 पदावली

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

क. कृष्ण को बलराम की कौन–कौन सी बातें अच्छी नहीं लगी?

उत्तर कृष्ण को बलराम के द्वारा रंग के आधार पर उन्हें चिढ़ाने की बात अच्छी नहीं लगी। उन्हें उनके द्वारा यह तर्क देना भी अच्छा नहीं लगा कि नंद और यशोदा तो गोरे हैं, तुम साँवले हो; उन्होंने तुम्हें जन्म नहीं दिया बल्कि मोल लिया है। उन्हें यह बात भी अच्छी नहीं लगी कि वे स्वयं तो चिढ़ाते ही हैं, ग्वाल–बाल को भी इसके लिए प्रेरित करते हैं।

ख. कृष्ण की बालसुलभ सरलता को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर कवि सूरदास ने बालक श्रीकृष्ण की बालसुलभ सरलता की जीवंत वर्णन किया है। प्रस्तुत पदावली में भी इसके दर्शन होते हैं।

बड़े भाई बलराम के द्वारा चिढ़ाए जाने पर कृष्ण क्रोधित हो जाते हैं और माता यशोदा के पास क्रोधावेश में उनकी शिकायत करने पहुँचते हैं। वे शिकायत करते हुए कहते हैं कि दाऊ उन्हें चिढ़ाते हुए कहते हैं कि माता यशोदा ने उन्हें जन्म नहीं दिया, उन्हें तो मोल लिया है। वे ग्वाल–बाल के साथ मिलकर उन्हें चिढ़ाते हैं। इसी क्रोध के कारण वे खेलने नहीं जाते हैं। भावावेश में वे माँ पर भी दोषारोपण करते हुए कहते हैं कि वे दाऊ को कुछ नहीं कहतीं, जबकि उन्हें मारती हैं।

ग. मीराबाई ने रामनाम को अमूल्य क्यों कहा है?

उत्तर रामनाम की महिमा अपार है। रामनाम रूपी धन संसार के सभी धन से अलग है। संसार के सभी धन नाशवान हैं जबकि रामना सदा वृद्धि की ओर अग्रसर रहता है। इस धन को न तो कोई खर्च कर सकता है, न इसे कोई ले सकता है। इसकी विशेषताओं के कारण मीराबाई ने इसे अमूल्य कहा है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

क. बलराम ने किस तर्क के आधार पर कृष्ण को मोल लेने की बात कही है?

उत्तर बलराम ने कृष्ण के रंग तथा माता यशोदा, पिता नंद के रंग में अंतर के आधार पर उन्हें मोल लेने की बात कही है।

माता–पिता गोरे रंग के हैं तो पुत्र को भी गोरा होना चाहिए जबकि कृष्ण का रंग साँवला है। बलराम ने इसी अंतर को अपने तर्क का आधार बनाया है।

ख. यशोदा कृष्ण पर क्यों रीझ रही थीं?

उत्तर यशोदा कृष्ण के बालसुलभ क्रोध को देखकर तथा उनकी शिकायत को सुनकर उन पर रीझ रही थीं। वह उनकी बातों को सुनकर मन–ही–मन में प्रसन्न हो रही थीं।

ग. कृष्ण की बात का माँ यशोदा ने क्या उत्तर दिया?

उत्तर कृष्ण की बात का माँ यशोदा ने उत्तर दिया कि बलराम तो जन्मजात चुगलखोर है। वह उनसे झूठ बोलता है। वे गाय रूपी धन की सौगंध खाकर उन्हें आश्वस्त करती हैं कि वही उनकी माँ हैं और वे उनके ही पुत्र हैं।

घ. रामनाम की नाव को खेने वाला कौन है?

उत्तर रामनाम की नाव को खेनेवाले सतगुरू हैं।

प्रस्तुत पाठ में मीराबाई कहती हैं कि उनकी नाव सत्य की है और उसके खेनेवाले सतगुरू हैं। वह उसी नाव से इस संसार–सागर को पार कर आई हैं।

ङ मीराबाई संसार में सब कुछ खोकर भी क्यों प्रसन्न थीं?

उत्तर मीराबाई संसार में सब कुछ खोकर भी प्रसन्न थीं। उनकी प्रसन्नता कारण यह था कि उन्हें अपने सतगुरू से रामनाम रूपी अमूल्य धन प्राप्त हो गया था। इस धन के सामने सांसारिक सभी धन तुच्छ थे। सभी धन नाशवान थे किन्तु यह धन सदा बढ़नेवाला था। इस धन से शांति भी मिलती थी और यह मोक्ष–प्राप्ति में भी सहायक था।

च. सत्य की नाव से किसे पार किया जा सकता है?

उत्तर सत्य की नाव से भवसागर अर्थात् इस संसार रूपी सागर को पार किया जा सकता है।

4. मूल्यपरक प्रश्न

प्रश्न चोर किस धन को नहीं चुरा सकते व क्यों?

उत्तर चोर रामनाम रूपी धन को नहीं चुरा सकते क्योंकि यह धन सांसारिक भौतिक धन न होकर आध्यात्मिक धन है। इस धन का आनन्द श्रद्धा और भक्तिभाव से ही प्राप्त किया जा सकता है। सामान्य जन भौतिक और नाशवान धन से प्रसन्न होते हैं। भक्त रामनाम रूपी अलौकिक धन में ही अवगाहन करना चाहता है।

5. सही विकल्प के सामने शुद्ध (✓) का चिह्न लगाइए –

क. श्री कृष्ण मैया से किसकी शिकायत कर रहे हैं?

ग्वालों की	✓ बलराम की	गोपियों की

ख. यशोदा मन ही मन किस पर रीझ रही थीं?

✓ श्री कृष्ण	बलराम	नन्द बाबा

ग. मीराबाई को किस धन की प्राप्ति हुई थीं?

✓ रामनाम	हीरे जवाहरात	सोना चाँदी

घ. मीराबाई किसकी भक्त थीं?

श्रीराम	शिवशंकर	✓ श्री कृष्ण